

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्यान्न का औपचारिकीकरण FORMALIZATION OF MICRO FOOD प्रसंस्करण उद्यम (पीएम एफएमई) योजना PROCESSING ENTERPRISES (PM FME) SCHEME



योजना का परिव्यय पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये (2020-21 से 2024-25)

पीएमएफएमई खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक हिस्सा है

(खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय)

योजना का परिव्यय पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में 10,000 करोड़ रुपये है।

उद्देश्य

मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण द्वारा ऋण तक पहुंच में वृद्धि उद्यमी, एफपीओ, स्वयं सहायता समूह और सहकारी समितियां;

ब्रांडिंग और मार्केटिंग को मजबूत करके संगठित आपूर्ति श्रृंखला के साथ एकीकरण;

मौजूदा 2,00,000 उद्यमों को औपचारिक ढांचे में परिवर्तित करने के लिए समर्थन;

सामान्य प्रसंस्करण सुविधा, प्रयोगशालाएं, भंडारण, पैकेजिंग, विपणन और इन्व्यूबेशन सेवाओं जैसी सामान्य सेवाओं तक पहुंच में वृद्धि;

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में संस्थानों, अनुसंधान और प्रशिक्षण को मजबूत करना;

उद्यमों के लिए व्यावसायिक एवं तकनीकी सहायता तक पहुंच में वृद्धि।

पीएम औपचारिकीकरण का माइक्रो फूड प्रसंस्करण उद्यम योजना (पीएम एफएमई)



पात्र संस्थाएं: • व्यक्तिगत सूक्ष्म खाद्य

प्रसंस्करण उद्यम (मौजूदा और नए दोनों) • समूह श्रेणी: एफपीओ/एसएचजी/उत्पादक सहकारी समितियां □ एक जिला एक उत्पाद-

(ओडीओपी)

पीएम औपचारिकीकरण

का

माइक्रो फूड

प्रसंस्करण

उद्यम

(पीएम एफएमई)

योजना

ओडीओपी में संबद्ध कृषि (डेयरी, पोल्ट्री, आदि), अनाज, बागवानी, मसाले, वनोपज, आम, आलू, टमाटर, शहद, हल्दी, इमली, आदि शामिल हैं, जिनका निर्यात मूल्य है मौजूदा व्यक्तिगत इकाइयां: ओडीओपी उत्पादक इकाइयों के लिए वरीयता मौजूदा समूह: मुख्य रूप से ओडीओपी उत्पाद नई इकाइयां: व्यक्तिगत/

समूह दोनों-केवल ओडीओपी उत्पाद सामान्य बुनियादी ढांचा और विपणन और ब्रांडिंग-केवल ओडीओपी, कुछ उत्पादों के

लिए राज्य स्तर/क्षेत्रीय स्तर पर समर्थन को छोड़कर, हालांकि वे ओडीओपी के तहत शामिल नहीं हैं।

(अब इसके अलावा अन्य के लिए भी ऋण दिया जा सकेगा)
राज्यवार पहचान के अनुसार ओ.डी.ओ.पी.



परियोजना लागत में शामिल हैं: • संयंत्र और मशीनरी
की लागत • तकनीकी निर्माण कार्य,

(तकनीकी कार्य परियोजना लागत का 30% से अधिक नहीं)

लेकिन इसमें भूमि/किराया या पट्टे पर कार्य-शेड की लागत शामिल नहीं
है

डीआरपी की तैयारी के लिए सहायता : •समूह को •व्यक्तियों को

पीएम औपचारिकीकरण
का

माइक्रो फूड

प्रसंस्करण

उद्यम

(पीएम एफएमई)

योजना

Fruits and vegetable processing

Dairy processing

Grain processing

Fish and marine processing

Meat and poultry processing

Bakery and confectionary processing

Fat and oil seed processing

Spices and plantation processing

Minor forest produce processing

अपात्र गतिविधियाँ

Trading and selling of unprocessed Millets/Cereals/Spices etc.

Unprocessed or Loose Milk (Selling of Milk/Curd)

Trading and selling of fruits and vegetables

Trading and selling of unprocessed Minor Forest Product

Bee Keeping/Loose selling of Honey

Loose selling, trading and repacking of oil

Trading and selling of groundnut, Arecanut (Exception: Any proposal for export variety would be reviewed on case to case basis. State Government to take prior approval from MoFPI for such cases.)

.Poultry, Piggery, Goatry or any other rearing activity of animals

Trading and selling of fresh Fish/ meat/chicken etc.,

Repacking of manufactures products

Canteen, grocery, hotel, tiffin services, restaurants or any other food services enterprises



पात्रता व्यक्ति

पात्र व्यक्तिगत आयकर का 35% की दर से पूंजी सब्सिडी,
प्रति उधारकर्ता अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये

मार्जिन योगदान 10 % मौजूदा इकाइयाँ

अधिमानत: ODOP उत्पादों में शामिल

असंगठित और < 10 कर्मचारी नियोजित

आवेदक-स्वामित्व अधिकार-स्वामित्व/
साझेदारी

18 वर्ष से ऊपर,
आठवीं कक्षा पास का प्रावधान **हटाया गया**

प्रति परिवार केवल एक व्यक्ति

समूह श्रेणी

संपूर्ण मूल्य श्रृंखला - छंटाई, ग्रेडिंग, परख, भंडारण, सामान्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन और परीक्षण प्रयोगशालाओं में एफपीओ/एसएचजी/उत्पादक सहकारी समितियों को सहायता प्रदान करना।

एफपीओ	स्वयं सहायता समूह
<ul style="list-style-type: none"> □ अनुदान @35% □ ओडीओपी (अधिमानतः) □ न्यूनतम टर्नओवर 1 रुपये करोड़। □ उत्पाद में ज्ञान/अनुभव न्यूनतम 3 वर्ष □ मार्जिन 10 % 	<p>बीज पूंजी □ कार्यशील पूंजी और छोटे उपकरणों की खरीद के लिए एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के लिए 40,000 रुपये की बीज पूंजी (बीज पूंजी केवल उन लोगों के लिए है जो स्वयं सहायता समूह के सदस्य हैं)</p> <p>□ ओडीओपी उत्पादन में शामिल एसएचजी को प्राथमिकता दी जाएगी। □ केवल ऐसे एसएचजी सदस्य जो वर्तमान में खाद्य प्रसंस्करण में लगे हैं। □ एसएचजी के महासंघ स्तर पर एसएमए/एसआरएलएम द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है।</p> <p>जो स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराएगा।</p> <h3><u>पूंजी निवेश</u></h3> <ol style="list-style-type: none"> 1. व्यक्तिगत एसएचजी सदस्य: ऋण लिंकड अनुदान @35% (अधिकतम 10 लाख रुपये) 2. एसएचजी स्तर के संघ में: 35% की दर से ऋण लिंकड अनुदान 3. पात्रता: □ मार्जिन को पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि, पीसी का 10%, डब्ल्यूसी के लिए 20% □ ओडीओपी प्रसंस्करण में 3 साल का अनुभव <p>प्रशिक्षण एवं सहायता-एसआरएलएम</p>

अन्य सुविधाओं

सुविधा	सावधि ऋण
	ऋण की मात्रा कोई न्यूनतम और अधिकतम नहीं
अंतर	<p>व्यक्तिगत-पीसी का 10%</p> <p>एफपीओ-10 %</p> <p>एसएचजी- व्यक्तिगत योगदान का 10% और कार्यशील पूंजी के लिए 20%</p>
सब्सिडी/अनुदान	<p>व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यम: पूंजी सब्सिडी @ पीसी का 35%, (अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति इकाई)</p> <p>एफपीओ/सहकारिताएं: @पीसी का 35%</p> <p>स्वयं सहायता समूह @पीसी का 35% (अधिकतम 10 लाख रुपये)</p>
	सब्सिडी को 3 वर्षों तक सब्सिडी रिजर्व खाते में रखा गया

अन्य विशेषताएं-यूएसपी

ऋण गारंटी	<p>मुद्रा के अंतर्गत ऋण के लिए: CGFMU</p> <p>10 लाख से 5 करोड़ से अधिक के ऋण के लिए: CGTMSE</p>
अभिसरण □ एआईएफ के साथ अभिसरण (यदि लागू हो) □ स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम □ 2 करोड़ रुपये तक के जमानत मुक्त ऋण के लिए सीजीटीएमएसई □ 10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए पीएम मुद्रा आदि।	

सुरक्षा

प्राथमिक	बैंक वित्त से निर्मित परिसंपत्तियों का दृष्टिबंधक भूमि बंधक की आवश्यकता नहीं
संपार्श्विक	SARFAESI अनुरूप संपत्ति का बंधक-अन्य ऋणों से संबद्ध नहीं शाखा से 25 किलोमीटर की परिधि से आगे जाने का निर्णय मंजूरी देने वाला प्राधिकारी ले सकता है।
एमएसएमएसई इकाइयाँ	<ul style="list-style-type: none"> □ 5 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए: कोई संपार्श्विक नहीं (सीजीटीएमएसई के तहत) □ 5 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण के लिए: सीआरए से जुड़ा हुआ
पीएम मुद्रा	<ul style="list-style-type: none"> □ 10 लाख रुपये तक कोई जमानत नहीं
स्वयं सहायता समूह	<ul style="list-style-type: none"> □ 20 लाख रुपये तक कोई जमानत नहीं (सीजीएफएमयू के अंतर्गत कवर)
निर्माता सह-कार्यकर्ता	<ul style="list-style-type: none"> □ 2 करोड़ रुपये तक: 2 करोड़ रुपये तक कोई संपार्श्विक नहीं (कवर नवसंरक्षण के तहत) □ 2 करोड़ रुपये से अधिक: सी.आर.ए. से जुड़ा हुआ



PRADHAN MANTRI FORMALISATION OF MICRO FOOD PROCESSING ENTERPRISES SCHEME



- PMFME
- About Us
- Notification
- Media
- GuideLines
- SLUPS
- Downloads
- Capacity Building & LMS
- Login

Applicant Login (PMFME)

MIS Login (Internal)

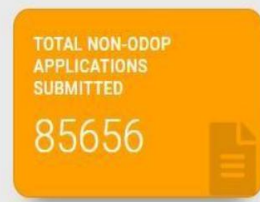
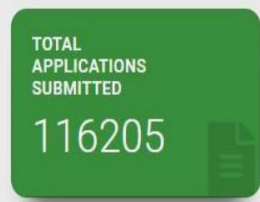


PROCESSING ENTERPRISES SCHEME

SALIENT FEATURES OF THE SCHEME

- Micro-enterprises to get **Credit-Linked Subsidy @35%** of the total eligible project cost with ceiling of **Rs. 10 lakh** for upgradation of infrastructure and capacity addition
- SHGs to get **Seed Capital** for giving loans to members for working capital and small tools
- On site **Skill Training & Handholding**
- Special focus on **Women Entrepreneurs & Aspirational districts.**
- Transition from the **Unorganized sector to the Formal sector**

WHAT'S NEW: | Advertisement Notice dt. 11.01.2023 for Hiring of Young Professionals for NPMU of the PMFME Scheme | OM-Modification in the guideline



धन्यवाद
THANK YOU

